<https://pamiec.pl/pa/edukacja/konkursy/ogolnopolskie/epizody-z-historii-najn/22972,VII-EDYCJA-OGOLNOPOLSKIEGO-KONKURSU-quotEPIZODY-Z-HISTORII-NAJNOWSZEJ-POLSKI-W-K.html>

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | |  | Pobierz obrazki |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | *Warszawa, 13 marca 2019 roku* | | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | *Szanowni Państwo,* | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | z radością **zapraszamy wszystkie szkoły, biblioteki i domy kultury do udziału w konkursie plastycznym** na projekt znaczka pocztowego „Świat oczami młodych”. | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Trzecia odsłona konkursu, organizowana pod hasłem „Przywróćmy tradycyjne sady”**, poświęcona jest tematyce ratowania starych odmian drzew owocowych, a tym samym zwiększania różnorodności biologicznej polskiej przyrody. | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Trzy najlepsze prace oraz nazwiska laureatów znajdą się na znaczkach pocztowych,** które zostaną wprowadzone do obiegu jesienią 2019 roku. | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Konkurs patronatami honorowymi objęli: Minister Edukacji Narodowej, Minister Infrastruktury, Ministerstwo Kultury i Dziedzictwa Narodowego, Ministerstwo Rolnictwa i Rozwoju Wsi, a także Uniwersyteckie Centrum Badań nad Środowiskiem Przyrodniczym i Zrównoważonym Rozwojem. | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Adresaci** | | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Zadanie konkursowe** | | |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Klasy 4-8 szkół podstawowych, gimnazja, szkoły średnie;  Domy kultury;  Młodzież w wieku 10–19 lat; Nauczyciele/Opiekunowie, którzy pełnić będą rolę Koordynatorów konkursu na terenie danej placówki szkolnej lub domu kultury. | | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Przygotowanie przez uczniów projektu znaczka pocztowego, który przedstawiać będzie sady, ze starymi odmianami drzew owocowych, uprawiane metodami ekologicznymi, niepowodującymi negatywnego wpływu na środowisko, do hasła „Przywróćmy tradycyjne sady”. | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Przebieg konkursu** | | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Terminarz** | | |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Konkurs dzieli się na dwa etapy.**   **W pierwszym** koordynator powinien na terenie swojej placówki zorganizować zajęcia dotyczące tradycyjnych sadów oraz wewnętrzny konkurs, w którym zostaną wyłonione maksymalnie trzy najlepsze prace.   **W drugim** etapie najlepsze prace należy przesłać organizatorom konkursu „Świat oczami młodych”. | | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **do 19 marca 2019 roku** Rejestracja Szkół i Domów Kultury na stronie [www.oczamimlodych.pl](https://mail.mailnews.pl/c/oousnaj95k/kbb48nklg2/) **do 14 maja 2019 roku** Nadsyłanie najlepszych prac wyłonionych w wewnętrznym konkursie. | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Więcej informacji:** | | | |  | | --- | |  | | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [**www.oczamimlodych.pl**](https://mail.mailnews.pl/c/80kpsmwwvg/kbb48nklg2/)  **www.oczamimlodych.pl** | | | | |  | Pobierz obrazki |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | *Serdecznie zapraszamy!* | | |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | *Maria Jakubowska* Koordynatorka konkursu | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Fundacja Banku Ochrony Środowiska** ul. Żelazna 32, 00-832 Warszawa [www.fundacjabos.pl](https://mail.mailnews.pl/c/ob4eizdp70/kbb48nklg2/) | 507 006 579 | [biuro@fundacjabos.pl](https://mail.mailnews.pl/c/o64uivml34/kbb48nklg2/) | | |  | |  |  | | --- | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | |  | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | |  | | | | |